



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उर्ध्व-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 211]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 13, 1992/वैशाख 23, 1914

No. 211] NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 13, 1992/VAISAKHA 23, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे यह असाधारण के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतपारिवहन भवित्वालय

(पत्रन पत्र)

प्रधिकारिता

नई दिल्ली, 13 मई, 1992

सा.का.नि. 488(ग्र) :—भारतीय पत्रन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 33 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग फरसे हुए केन्द्र सरकार एवं द्वारा उन अधिनियम की प्रथम अनुमूली में निम्नलिखित परिवर्तन करती है जो इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 60 दिन की अवधि की मात्राति के अगले दिन से लागू होंगे, अवश्य—

2. कांडला पत्रन में संबंधित प्रविधियों के लिये उन अधिनियम के भाग 1, प्रथम अनुमूली में निम्नलिखित प्रविधियों प्रतिस्थापित की जाएंगी :—

पत्रन का नाम	प्रधारित जहाज	पत्रन देयताओं की प्रति टन दर	उसी जहाज के संबंध में प्रधारित कितनी बार अमूल किए जा सकते हैं
1	2	3	4
कांडला	इस टन और हस्ते प्रधिक धमता के विवेश जाने वाले जहाज (मस्त्य नीकाओं को छोड़कर)	एक ग्रमरीकी जाति से प्रधिक नहीं।	पत्रन में प्रत्येक बार प्रवेश के लिए प्रधार देना होगा।

1	2	3	4
दस टन और इससे अधिक अमता के तदीय जहाज (मत्स्य नौकाओं की छोड़कर)	10/--रुपये से अधिक नहीं।	पतन में प्रत्येक वार प्रवेश के लिए प्रभार देता होता।	
दस टन और इससे अधिक अमता के कंट्री क्राफ्ट (मत्स्य नौकाओं की छोड़कर)	10/--रुपये से अधिक नहीं।	पता में प्रत्येक वार प्रवेश के लिए प्रभार देता होता।	
टग, फेरी, स्टीमर्स तथा नदी स्टीकर्स यथोक्त	यथोक्त	पतन में प्रत्येक वार प्रवेश के लिए प्रभार देता होता।	

[का.सं. पी आर-14012/8/92-पी जी]

अर्णोक जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th May, 1992

G.S.R. 488 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 33 of Indian Port Act, 1908 (15 of 1908) the Central Government hereby makes with effect from the day following the expiry of sixty days from the date of publication of the notification in the Official Gazette, the following alterations in the First Schedule to the said Act namely :—

2. In part I, First Schedule to the said Act, for entries relating to the port of Kandla, the following entries shall be substituted namely :—

Name of port	Vessel chargeable	Rate of Port dues per Ton	Dues how often chargeable in respect of same vessel.
Kandla	Foreign going vessels of ten tons and upwards (except fishing boats)	Not exceeding One U.S. dollar.	The due is payable on each entry into the port.
	Coasting vessels of ten tons and upwards (except fishing boats)	Not exceeding Rs. 10/-	The due is payable on each entry into the Port.
	Country crafts of ten ton and upwards (except fishing boats).	Not exceeding Rs. 10/-	The due is payable on each entry into the port.
	Tugs, ferry, steamers and river steamers.	-do-	The due is payable on each entry into the Port.

[F. No. PR-14012/8/92-PG]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

अधिसूचना

मई दिल्ली, 13 मई, 1992

सा.का.नि. 489(झ) — यह पत्र अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 33, 34, 36 और 47 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के नीतिहान परिवहन मंत्रालय द्वारा समय समय पर आरी और दिनांक 20 जुलाई, 1990 के सा.का.नि. 652(ई) द्वारा समाप्त होने वाली अधिसूचना का अधिकारण करते हुए केवल सरकार एवं द्वारा निर्देश देती है कि इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 60 दिन की अवधि की समाप्ति के अगले दिन से कांडला पोर्ट में जाने वाले जहाज जो अनुसूची के कॉलम 2 में उल्लिखित हैं उनसे तस्वीरी कॉलम 3 में विनिर्दिष्ट दरों पर और उन अनुसूची के कॉलम 4 में नियत समय पर पोर्ट देय वस्त्रे जायेंगे।

अनुसूची

क्रमांक	एन.आर.टी. में जलयान समूह	नियन्त्रित स्थान पर आने वाले जलयानों के संबंध में एन.आर.टी. अथवा उसके किसी भाग के अनुसार पोर्ट देय संबंधी दर	उन्हीं जलयानों के संबंध में कितनी बार देय प्रभार्य है।
---------	--------------------------	--	--

अपतट तेज कांडला पोर्ट टर्मिनल
वार्डीनार

1	2	3	4	
	भारतीय रु.	यू.एस. सेंट	भारतीय रु.	यू.एस. सेंट
1. 10,000 एन आर टी तक	1. 60	8	4. 50	21
2. 10,001-40,000 एन आर टी	1. 80	9	5. 00	24
3. 40,001-67,000 एन आर टी	2. 00	10	5. 00	24
4. 67,000 एन आर टी से अधिक	2. 20	10	5. 00	24

टिप्पणी 1. जलयान के पोर्ट देयों का निर्धारण उसके उन कुल एन आर टी दरों पर किया जायेगा जो उस जलयान के एन आर टी अनुसार उक्त जलयान समूहों के केवल एक के मध्य इसीलिए गई है।

2. तीव्र जलयानों के बावजूद में उक्त दरों में 30 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

3. जलयान आवी दर पर पोर्ट देय अदा करेगो जो कि विमलिति परिस्थितियों के प्रतीत प्रथम प्रभार्य होगा।

(i) बेलास्ट में आने वाले और यात्रियों को जो ढो नहीं रहे हों ऐसे जलयान

(ii) कोई भी नीभार अथवा यांत्रियों का निस्मारण अथवा भारण नहीं करने वाले जलयान
(मरम्मत के प्रयोजनार्थ जो भी आवश्यक हो उस उत्तराई और पुनः लदाई के अपवाद सहित)

(iii) अपनी निजी खपत के लिये किसी रसद, जल, बंकर आदि के लिये आने वाला जलयान और

(iv) नौकर्य द्वारा बन्दरगाह में लाया गया ऐसा संकटग्रस्त जलयान जिस पर कोई भी नीभार नहीं हो।

4. नीभार सहित जिस संकटग्रस्त जलयान को नौकर्य द्वारा बन्दरगाह में लाया गया हो उसके पूरा पोर्ट देय प्रभार्य होगा।

5. भारत के अन्य महा पन्नों के जलयान को पोर्ट देयों की अदायगी करने से छूट दी जायेगी।

6. कांडला पोर्ट में केवल अभारण अथवा भारण के लिये आने वाले लैश बजरों को पोर्ट देयों की अदायगी से छूट दी जायेगी और ऐसा इस शर्त के अधीन होगा कि ऐसे लैश बजरों को उत्तराने अथवा चढ़ाने वाले आधार पोतों द्वारा निर्भारित दरों पर पोर्ट देय अदा किया जाए।

7. विल की कुल राशि को अगले दस सप्ताह तक पूरीकृत किया जायेगा।

आक्षय :

यू.एस. डालने के रूप में वर्णित गये प्रभागों की वसूली जलयात्रा ग्राने की शारीरिक को आर.सी.प्राइ. द्वारा प्रतिसूचित दरों पर विदेशी के गायत्रीय भारतीय नौवहन लाइनों/प्रभिकर्ताओं से गमतुल्य भारतीय रूपये में की जायेगी। तथापि यथानिर्धारित भारतीय रूपयों के स्थान में तटीय नौवहन संबंधी प्रभाग वसूला जायेगा।

[एक. स. पी. प्राइ. 14012/8/92-प्रा.जी.]
प्रधानक जागी, संयुक्त गवर्नर

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th May, 1992

G.S.R. 489 (E):—In exercise of the powers conferred by Sections 33, 34, 36 and 47 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport issued from time to time and ending with No. GSR 652(E) dated 20th July, 1990, the Central Government hereby direct that with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of notification in the Official Gazette, Port dues shall be levied on vessels entering the port of Kandla and described in Col. 2 of the Schedule at the rates specified in Col. 3 thereof and the time fixed in Col. 4 of the said Schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	Vessel Group in NRT	Rate of Port dues per NRT or part thereof for vessels entering in respect of		Due how often chargeable in respect of same vessels		
		OOT,	Vedinar.			
1	2	3	4			
		Indian Rs.	US Cents	Indian Rs.	US Cents.	
1.	Upto 10,000 N.R.T.	1.60	8	4.50	21	The due is payable
2.	10,001-40,000 N.R.T	1.80	9	5.00	24	on each entry into
3.	40,001-67,000 N.R.T	2.00	10	5.00	24	the Port.
4.	Above 67,000 N.R.T.	2.20	10	5.00	24	

NOTE :

1. The Port dues of a vessel will be assessed on her total N.R.T. at the rate shown against only one of the above vessel groups according to N.R.T. of that vessel.
2. A rebate of 30% in the above rates be granted in respect of Coastal vessels.
3. A vessel shall pay Port dues at half the rate which would otherwise be chargeable under the following circumstances :—
 - (i) Vessel entering in ballast and not carrying passengers.
 - (ii) Vessel not discharging or loading any cargo or passengers (with the exception of such unshipment and re-shipment, as may be necessary for purpose of repair).
 - (iii) Vessel entering for taking any provisions, water, bunker etc. for her own consumption and
 - (iv) Vessel in distress brought into harbour in tow which has no cargo on board.
4. A vessel in distress with cargo on board brought into harbour in tow shall be charged full Port dues.
5. Vessel belonging to other Major Ports in India shall be exempted from payment of port dues.

6. LASH barges entering the Port of Kandla only for discharging or loading shall be exempted from payment of Port dues, subject to the condition that Port dues at prescribed rates are paid by the mother ships discharging or loading such LASH barges.

7. The aggregate amount of bill shall be rounded off to the nearest rupees ten.

EXPLANATION :

The charges prescribed in term of US Dollars would be collected in equivalent Indian Rupees from foreign as well as Indian Shipping lines/agents, at the rates, notified by R.B.I. on the date of arrival of the vessel. However, charges for Coastal Shipping will be collected in terms of Indian rupees as prescribed.

[File No. PR-14012/18/92-PG]
ASHOKE JOSHI, Jr. Secy.

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 13 मई, 1992

मा.का.नि. 490 (ग्र) :—भारतीय नौन अधिनियम 1908 (1908 का 15) की वज्रा 35 की उत्तराधा (1) द्वारा प्रदत्त जर्सीयों का प्रयोग करते हुए और कड़वा पोर्ट, पोतचालन कार्य (गुरुक) प्रादेश, 1989 का अधिकार करते हुए केस्ट्र मंत्रकार एवं बारा कड़वा पोर्ट में पोतचालन कार्य संबंधी गुरुक वी वसूली तथा शास्त्रीय मेवाओं को विनियमित करने हेतु नियमित आदेश बनाती है :—

1. मंत्रिन नाम स्था प्रादेश :—(1) यह आदेश कड़वा पोर्ट पोतचालन कार्य (गुरुक) प्रादेश, 1992 कहा जाएगा।

(2) यह तुरन्त ही लागू होगा।

2. पोतचालन कार्य संबंधी शुल्क

कड़वा पोर्ट में पोतचालन कार्य संबंधी गुरुक वैया होगा जैसाकि नियमित अनुसूची में वया विनियाइ है :—

पोतचालन कार्य वसूली प्रनुसूची

क्र.सं.	जलयान का आकार	प्रति जीप्रारटी या उसके अंग से संबंधित पोतचालन कार्य शुल्क		
		भारतीय रु.	अमेरिकन मैट्र	
1.	3000 जीप्रारटी तक	3.96	19	रु. 3960/- यूएस \$ 188.50 प्रति जलयान की व्युत्तम वर के अधीन रहते हुए।
2.	3001 से 10,000 जीप्रारटी	5.40	26	रु. 54000/- यूएस \$
3.	10,001 से 15,000 जीप्रारटी	4.80	23	2570.40 प्रति जलयान की व्युत्तम वर के अधीन रहते हुए।
4.	15,001 से 30,000 जीप्रारटी	4.80	23	
5.	30,001 से 60,000 जीप्रारटी	4.56	22	रु. 1,44,000/- यूएस \$ 6854.40 प्रति जलयान की व्युत्तम वर के अधीन रहते हुए।
6.	60,001 से 1,00,000 जीप्रारटी	4.56	22	
7.	1,00,001 से जीप्रारटी तथा अधिक	4.56	22	

टिप्पणी :—(1) जलयान के पोतचालन कार्य वसूली शुल्क का निर्धारण उसके उन कुल जीप्रारटी (सकल रंजीक्षन टनभार) वरों पर किया जाएगा जो उस जलयान के जीप्रारटी में समुद्र उन जलयान समूहों के निवाल एवं गुण वर्गों पर है।
(2) नीतीय जलयानों के बाबत में उन वरों में 30% की कम वी जाएगी।

(3) पांचवां तक कार्य मुक्त में पाइलट के अन्तर्गतीमी और बहिर्गतीमी पाइलट कार्य और अन्तर्गत प्रचालन, यदि अन्दरगत मीमा के शीर्ष कोई हो तो, के लिए वी गई सेवाओं तथा उभी के लिए कर्तव्यका वी उत्तम्यता तथा नीवंश लाच को मेहरं भी शामिल है। इन प्रशंसार्थ तात्पुरा में अन्दरगत मीमा के अन्दर अन्तर्गत का कंटला शीक के अन्दर प्रवेग न्यूट्रो (कटुना बार) तक अत्यन्त अधिक है। प्रवेग मण्डी से बाहर अथवा प्रतिलोम ५, किमी जलपाता अन्तर्गत में प्रतिलोम १०० का नापांचारा गत तरह तात्पुरा किंवद्देश गत्या गत तरह अथवा प्रतिलोम ५, एवं प्रतिलोम ५ के अन्तर्गत अन्तर्गत नियाकलाप के लिए उत्तम नियंत्रिता अन्तर्गत शुरू कर ५०.००% के गत तरह अत्यन्त जापा।

३. प्रान्तिकाल मार्ग पर का प्रस्तुतिकारण।—(i) यह प्रस्तुतियाँ पोरावाल ज़िले प्रधान लोहांगामी प्रान्तिकारण के बारे में जानकारी के लिए कियी गयी पाइलट की सेवाएँ मरीं जाती हैं तो उस जनकाल में पर पाइलट की उपस्थिति प्रस्तुतिकारण के बारे में कानून में ८५ (१३) के पूर्व नाटिंग दी जाती चाहिए। नदीपांप ऊपर निर्वाचित नोटिस मरम्य से कम मरम्य में मांग प्रस्तुति की जाती है तो उस लोहांग माइटर द्वारा स्थोर किया जा सकता है और ऐसा पाइलट की उपनायकता के अधीन रखने होते हैं और अर्थ आवश्यकताओं के प्रश्नों रहने होते हैं, हावर्ड माइटर के व्यक्तिगत रूप से किया जाता है।

(iii) जब कभी हार्डवर मास्टर का गमनाधार आ जाए कि प्राप्त थाले जड़ाओं के लिए थाई ऑन्युनलडेन्स के कारण प्रथम जेवर-भाटा के नप्त और नम्बरन लारें से उग समय और माप के अनुसार पाइलट की तैयारी नहीं की जा सकती तो पाइलट के ज़रूरत पर उड़ाते का गवर्नर और कर्मियों हार्डवर मास्टर की नियंत्रित की जाएगी।

(iii) तथापि, विभीं ऐसे आपातकाम औं जलवायन या सामृद्ध के नियवाया वे बहिरं दूर जैसे कि जहाज या नौका के नमान आपातकाम में जलवायन को ब्रैंशिं करते/सेवा करते हुए पाइदृशी वासियोंमात्रों ही या किया

4 प्रान्तकालन मानापक का रुक्कण और पाइलटों का अनुप्रयोग:—(i) जब कभी दिया गया क्रिकेट मनाप, जनवान के प्रत्यार्थी प्रान्तवालन हुए पाइलट वा सेवाएं मारी जाती हैं और अगर उस जलवान के रवाना होने से पूर्व तीव्र अद्वेष से कम समय 1, 2, 3 वर्षों का हड़ पाग रुक्कण दी जाती है तो ₹. 3600/- या प्र.म. \$171.36 का रुक्कण यूक्त वस्तुता जापाया। उसी प्रकार यांकिंग चार्टर का दायरा एवं एक्स्प्रेस के लिए पाइलट की सेवाएं मारी जाती हैं और अगर घाट/जीटी के विषय में जनवानों पर पाइलट के चहने हुए विवाद समर्पित हो तो उसी स्थिति जनवान पर पाइलट के जहाजे हेतु जनवान रवाना होने से पूर्व 3 घंटे से कम समय की रोटिंग होने हुए एमी माप, 1, 2, 3 वर्षों होते हैं तो ₹. 3600/- या प्र.म. \$171.36 का रुक्कण यूक्त वस्तुता जापाया।

(ii) जब कभी मांग के प्रनुसार कोई पाइलट अनिवार्य जटाज का पाइलट कार्य करने वाले पाइलट संगत जाता है तो वे कारण-का आजमार भास्तु के नियंत्रण से बाहर हो अथवा नीयहन आकस्मिकता, यूप्रम्त यों जाने अथवा जलवायन पर आग लग जाने के बजाए से अथवा जलवायन के नीरी आने से अपेक्षा दो दिन से अनेक कारण पाइलट को सौंप जाना पड़ता है तो रु 6000/- यू.एम. ४२८५.६० का शुल्क बमूला आएगा। उसी प्रकार अगर कोई पाइलट मांग के घनुसार विहिनीमी जलवायन पर चढ़ता है तो अगर वह जलवायन मौजम की दूरी, लंबाई शुल्क जाने के उल्लंघन जाने अथवा यथा ऐसी परिस्थितियाँ हो जलवायन के पाइलट के नियंत्रण से बाहर हो, के कारण प्रस्ताव नहीं कर पाता तो रु 6000/- यू.एम. ४२८५.६० शुल्क की बर्ती की जाएगी।

(iii) जब की मांगपत्र के अनुमान किसी मानेवाले जलवान पर चलने के लिए कोई पाइलट, पाइलट स्टेशन पर जाना है और ग्राम पाइलट का उपरोक्त कारणों के द्वारा अन्य किसी वज्र से नीटना पड़ता है तो रु. 1200/- यु.प.म. \$571.20 की वस्त्री होती है। उसी प्रकार जब कोई पाइलट मांगपत्र के अनुसार किसी भाड़े जानेवाले जलवान पर चलता है अथवा जब पाइलट किसी ऐसे जलवान के लिए जो नोंदव अथवा मरणी में हो और जिसे पाइलट किया जाना है उसके लिए जलवान द्वारा पाइलट जाना है और अगर वह जलवान नंगा और दिंदिं जाने के बाद याकूब करने में अपर्याप्त हो अथवा द्वारा मारा के पश्चात्त्वर्ती दृक्षण के कारण अथवा उपरोक्त कारणों के द्वारा अन्य किसी वज्र से पाइलट को नीटना पड़ता है तो रु. 840/- यु.प.म. \$359.84/- के बदला जाता।

(iv) बाहरी वृणु योग्य/प्राप्तिक स्टेन्ट पर स्थित जलवायन की प्राप्तिक धारा शी गई नेत्राओं के लिए ₹ 6000/- ए प्र. ₹ 285.60 रुपये की रुपये का एक बस्तुता जारीगा।

(v) जब कभी किसी पाइपलाइन को मस्तिश्क अथवा अधिकतम के अनुसार पर अथवा हाईवर भास्टर के स्विचेज पर अवश्यकता बन रखता है तो जब वह अपने अधिकतम के पाइपलाइन को अपने अधिकतम के स्विचेज पर लगाते अथवा घोट पर लगाते अथवा घोट में हटाते अथवा अन्य किसी कार्य करता है तो उनके लिए 600/- या प्रति. § 28, 56 प्रति घंटा अथवा कोई भाग वस्तु जाएगा ।

5. जनयान पर पाइलट को रोकने तथा कार्यनीकों को रोकने से संबंधित शुल्कः—मासम की घराबी, कर्मिदल का पतायन प्रथवा यन्य ऐसे कारण जो मास्टर के नियंत्रण से बाहर हों, उनके ग्रसावा अन्य किसी काग्ज से अन्वर प्रथवा बाहर लाए जाने वाले प्रथवा अंतरित किए जाने वाले जनयान पर ग्राह याइलट की मासी घटे से अधिक ममत के लिए रोका जाता है तो पाइलट के लिए रु 460/- यू.एम. \$ 15.70 डॉलर शुल्क और कर्फ नौका के लिए \$ 2040/- यू.एम. \$ 97.10 रुपाई शुल्क प्रति घटा प्रथवा उसके घिसी भाग के लिए प्रभावित होता।

6. पाइपल की शुल्क की बूसी से छूट:—(i) 300 शिपारटी और कम जाहाजों के मास्टे से पाइपल की शुल्क नहीं दाना, तथा पर्से जलगत घासर क्षमा से नै पोतचालन की शुल्की से यथा वित्तिक्षेप अक्षर से प्रभागी पर पाइपल से नहीं है।

(ii) बंडुआ थंदगाह जलयान संबंधी नियम 1935 के अधीन अनुबन्ध जलयानों के लिए प्रारंभिक आगमन तथा शीर्षक बाहरे रखनी के समय के प्रभाव प्रत्यक्षालक्ष कर्त्तव्य अधिकारी तर्फ से है।

(4) इस भाग में विविध दरों के हैं जो पाइलट सेवन (बाहरी तूण धोया) के समुदायिक से और 3.22 किलोमीटर (दो मील) तक के लिए पोतचालन कार्य शुल्क है।

नथापि अगर पाइलट सेवन (बाहरी तूण धोया) से समुदायिक 3.22 किलो मीटर (दो मील) से अधिक दूरी तक जाने के लिए जलयान का पाइलट कार्य करने हेतु पाइलट अपेक्षित है तो इस भाग के द्वाया विविध दरों का दृगुना पोतचालन कार्य शुल्क वसूला जाएगा। पाइलट सेवन (बाहरी तूण धोया) से समुदायिक अधिकतम 9.66 किलो मीटर (6 मील) तक ही पाइलट का जहाज पर रहना प्रतिविधि होगा।

(5) जलयानों का सापन और सर्वेक्षण हेतु निम्नलिखित शुल्क वसूला जाएगा :—

जलयान	इकाई	वसूली दोष शुल्क	
		भारतीय रु.	यू.एम. \$
1. 1000 टन से कम	जलयान के लिए	रु. 360.00	17.14
2. 1000 टन तथा अधिक	जलयान के प्रत्येक 100 टनों के लिए	रु. 72.00	3.43

7. जब पाइलट को ऐसे जलयान की सेवा के लिए जस्तमे हो जो भूप्रस्त, ग्रामवरग आदि हो रहे हों तो रु. 600/- यू.एम. \$ 28.56 प्रति वंदा या उसका भाग, की परिचर्या—शुल्क वसूल किया जाएगा। ऐसे जलयानों की परिचर्या/अनुकरण हेतु अथवा अन्य जलयानों के लिए किसी भी अन्य कारणों से कर्दानीक की मांगी गई सेवाओं के लिए दरों के मान में “पोर्ट प्लावी जलयान/प्लावी शुल्क मांगी जो भाड़े पर लेने से संबंधित प्रभारों की अनुसूची” में निर्धारित दरों पर कर्दानीका भाड़ा प्रभार वसूला जाएगा।

पाद टिप्पणी :—विल की कुल राशि को अगले राये दस तक पूर्णकित किया जाएगा।

व्याख्या :

यू.एस डॉलरों के रूप में दर्शाये गए प्रभारों की वसूली जलयान के ग्राने की तारीख को आरं वी ग्राइंडर अविद्युत दरों पर विदेशी के साथ साथ भारतीय नौवहन लाइनों/शक्तिवाहिनी से समतुल्य भारतीय राये में की जाएगी। तथापि यशानिवारित भारतीय रायों के लाएं तभी तो वहन कर्दाने पर प्रभार वसूला जाएगा।

[म. पी. शार.-14012/8/92-मीजी]

यशोक जोशी, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th May, 1992

G.S.R. 490(E):—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 35 of Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the Kandla Port Pilotage (Fees) Order, 1989, the Central Government hereby makes the following order for regulating the levy of fees of pilotage and other services in the port of Kandla :—

1. Short title and commencement : (1) This order may be called the Kandla Port Pilotage (Fees) Order, 1992.

(2) It shall come into force at once.

2. Fees for Pilotages :—Fees for pilotage in the Port of Kandla shall be as specified in the following schedule :

SCHEDULE OF PILOTAGE FEES

Sr. No.	Size of vessels	Pilotage fees per GRT or part thereof	
		3	Indian Rs. US Cents
1	2	3	1. Upto 3000 GRT 3.96 19 Subject to minimum Charges of Rs. 3960/- US \$ 188.50 per vessel.

1	2	3
2. 3001 to 10,000 GRT	5.40	26
3. 10,001 to 15,000 GRT	4.80	23 Subject to minimum Charges o Rs. 54000/- US \$ 2570.40 per vessel
4. 15,001 to 30,000 GRT	4.80	23
5. 30,001 to 60,000 GRT	4.56	22 Subject to minimum Charges o Rs. 1,44,000/- US \$ 6854.40 per vessel.
6. 60,000 to 1,00,000 GRT	4.56	22
7. 1,00,001 GRT and above	4.56	22

NOTE :—

(1) The pilotage fees of a vessel shall be assessed of her total GRT (Gross Registered Tonnage) at the rate shown against only one of the above vessel groups according to GRT of that vessel.

(2) A rebate of 30% in the above rates shall be granted in respect of coastal vessels.

(3) Pilotage fees include services of a pilot for inward and outward pilotage, shifting operations, if any within the harbour limits and the attendance of the tug for the same and services of mooring launch. For this purpose shifting within the harbour limits at Kandla would mean shifting within Kandla Creek upto entrance channel (Kandla bar). Shifting at any vessel beyond entrance channel or vice versa shall be treated as additional pilotage act for which charges equal to 50% of pilotage fees prescribed above shall be levied for each such act of shifting beyond the entrance channel or vice versa.

3. SUBMISSION OF PILOTAGE REQUISITION

(i) When the services of a pilot are requisitioned for inward pilotage or outward pilotage or for shifting of a mechanically propelled vessel, a notice of not less than 12 hours before the time the pilot is required to board the vessel shall be given. Requisition submitted with less than the above prescribed notice period, may however, be accepted by the Harbour Master, subject to availability of pilots and subject to other exigencies, at the discretion of the Harbour Master.

(ii) Where the Harbour Master is satisfied that the pilot cannot be posted at the time and on the mentioned in the requisition, due to non-availability of berth for the incoming ships or due to tide timings and the like, the time and date for boarding the vessel by the pilot shall be fixed by the Harbour Master.

(iii) No requisition will, however, be required if a pilot is required to shift/attend a vessel in an emergency beyond the control of a master of the vessel, such as fire on board, dragging of anchor, and the like.

4. CANCELLATION OF PILOTAGE REQUISITION AND NON UTILISATION OF PILOTS

(i) When the services of a pilot are requisitioned for the inward pilotage of a mechanically propelled vessel and if such requisition is cancelled by giving notice of less than three hours before the craft leaves a cancellation fee of Rs. 3600/- US \$ 171.36 shall be levied. Similarly, when the services of a pilot are requisitioned for the outward pilotage of a mechanically propelled vessels and if such requisition is cancelled by giving notice of less than 3 hours before the time fixed for the pilot to board the vessels along side the berth/jetty, or before the craft leaves for the pilot to board the vessel at mooring or in stream, a cancellation fee of Rs. 3600/US \$ 171.36 shall be levied.

(ii) Where a pilot goes to the pilot station to pilot an incoming vessel in accordance with the requisition and if the pilot has to return due to non-arrival or late arrival of the vessel for reasons beyond the contro

of the Master of the vessel or on account of any shipping casualty, grounding or fire on board the vessel, a fee of Rs. 6000/US \$ 285.60 shall be levied. Similarly, where a pilot boards an outgoing vessel in accordance with the requisition and if the vessel is unable to sail due to stresses of weather or fouling of anchor chain or other circumstances beyond the control of the master, a fee of Rs. 6000/US \$ 285.60 shall be levied.

(iii) Where a pilot goes to pilot station to pilot an incoming vessel in accordance with the requisition, and if the pilot has of returned owing to reasons other than those mentioned above, a fee Rs. 12000/US \$ 571.20 shall be levied. Similarly, where a Pilot boards on outgoing vessel in accordance with the requisition or where the pilot leaves in the craft for the vessel in mooring or stream, which is to be piloted and if the vessel is unable to sail after unberthing of the vessel, or if the pilot has to return due to subsequent cancellation of requisition, or due to any reasons other than those mentioned above, a fee of Rs. 8400/US \$ 399.84 shall be levied.

(iv) Fees amounting to Rs. 6000/US \$ 285.60 shall be levied for services rendered by a pilot to a vessel at Outer Tuna Buoy/Pilot Station.

(v) When a pilot is required to attend a ship at the request of the Master or the Agent or at the discretion of the Harbour Master for work other than piloting the ship in or out of the harbour or other than berthing or unberthing or shifting of the vessel, an attendance fee of Rs. 600/US \$ 28.56 per hour or part thereof shall be levied.

5. FEES FOR DETENTION OF PILOT ON BOARD THE VESSEL AND FOR DETENTION OF TUG

Detention fees of Rs. 960/US \$ 45.70 for pilot and dentention fees of Rs. 2040/US \$ 97.10 for Tug per hour or part thereof shall be charged, if the pilot is detained on Board the vessel to be piloted in or out or shifted for more than half an hour owing to any reasons except for reasons of stress of weather, desertion of crew or such other reasons beyond the control of the Master.

6. EXEMPTION FROM LEVY OF PILOTAGE FEES

(i) Pilotage will not be compulsory in case of vessels of 300 GRT and under. Such vessels may, however, ask for pilot if they so desire on payment of fees as specified in the Schedule of pilotage fees.

(ii) Pilotage will not be compulsory for the vessels licenced under the Kandla Harbour Craft Rules, 1955 except at the time of initial entry and final departure outward.

(iii) All vessels except those in note (i) above, entering or leaving the port without pilot will in addition to all penalties provided under the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) be liable to payment of pilotage fees as specified in the schedule.

(iv) The rates specified in this part are pilotage fees from and upto 3.22 kilometres (Two miles) seaward of the pilot station (Outer Tuna Buoy).

If however, a pilot is required to proceed more than 3.22 kilometres (two miles) seaward form the pilot station (Outer Tuna Buoy) to pilot a vessel, pilotage, fees at double the rates as specified in this part shall be levied. Boarding of pilots shall be restricted to maximum of 9.66 kilometres (6 miles) seaward form pilot station (Outer Tuna Buoy).

(v) The following fees for measuring and surveying vessels shall be levied :—

Vessel	Unit	Fees leviable	
		Indian Rs.	US \$
1. Under 1000 tons	For vessel	360.00	17.14
2. 1000 tons and above	For every 100 tons of vessel	72.00	3.43

7. When the pilot is required to attend the vessels which are grounding, drifting, etc. attendance fees of Rs. 600/US \$ 28.56 per hour or part thereof shall be levied. For the services of tug requisitioned to attend/tow such vessels, or other vessels for any other reasons, the tug hire charges at the rate prescribed in the 'Schedule of charges for hire of port floating craft/floating dry dock' in the scale of rates shall be leviable.

Foot Note : The aggregate amount of bill shall be rounded off to the nearest rupees ten.

EXPLANATION :

The charges prescribed in term of US Dollars would be collected in equivalent Indian Rupees from foreign as well as Indian Shipping lines/agents, at the rates notified by RBI on the date of arrival of the vessel. However charges for coastal shipping will be collected in terms of Indian Rupees as prescribed.

[File No. PR-14012/18/92-PG]
ASHOK JSOHI, Jr. Secy.